



भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठन पर्व 2024 के तहत सक्रिय सदस्यता और संगठनात्मक चुनाव बैठक को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व साधारण सदस्यता अभियान प्रदेश संयोजक अरुण चतुर्वेदी, सक्रिय सदस्यता अभियान प्रदेश संयोजक ओंकार सिंह लखावत ने संबोधित किया।

‘भाजपा का संगठन लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बनता है’

मुख्यमंत्री भजनलाल ने भाजपा की सक्रिय सदस्यता व संगठन चुनाव बैठक को संबोधित किया

जयपुर, 24 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में संगठन पर्व 2024 के तहत सक्रिय सदस्यता और संगठनात्मक चुनाव बैठक का आयोजन हुआ।

संगठन पर्व 2024 बैठक को भाजपा राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल, प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व साधारण सदस्यता अभियान प्रदेश संयोजक अरुण चतुर्वेदी, सक्रिय सदस्यता अभियान प्रदेश संयोजक ओंकार सिंह लखावत ने संबोधित किया।

बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने उपचुनाव में विजयी हुए पांचों नवनिर्वाचित विधायकों को साफा, भाजपा का दुपट्टा, पुष्पगुच्छ देकर जीत की बधाई दी गई।

प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति की 2 जारतियाँ होती हैं, एक सत्ता और दूसरी संगठन। हमें संगठन को मजबूत बनाते हुए हर जिले में सक्रिय सदस्यता अभियान को सफल बनाना है।

प्रभारी अग्रवाल ने पाँच सीटों पर जीत की बधाई देते हुए कहा, सभी

■ संगठन पर्व 2024 बैठक को मुख्यमंत्री के अलावा प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संयोजक अरुण चतुर्वेदी व ओंकार सिंह लखावत ने भी संबोधित किया

■ बैठक में पांचों नवनिर्वाचित विधायकों को साफा पहनाकर बधाई दी गई।

कार्यकर्ताओं की मेहनत ही है कि आज हम उपचुनाव में पाँच सीटें जीतकर आए हैं। चौरीसी और दौसा में भी भाजपा का मत प्रतिशत बढ़ा है, वहाँ की जनता का भी अभिनंदन और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद जिन्होंने रात दिन मेहनत की और संगठन को मजबूत बनाने के लिए अपना बहुमूल्य समय दिया। उपचुनावों में कांग्रेस पूरी तरह पिछड़ गई है कांग्रेस के बड़े नेताओं की बोलीती बंद हो गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसा राजनीतिक दल है जिसका संविधान है और पंच निष्ठाएँ हैं। ये सभी पंच निष्ठाएँ और संविधान के संस्कार लेकर ही हम चुनाव लड़ते हैं। कोई भी राजनीतिक दल नहीं है जिसमें हर तीन साल में चुनाव होते हैं। भाजपा की संगठन संरचना वृक्ष से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक लोकतांत्रिक प्रक्रिया से होती है। भाजपा में प्रवेश युवा मोर्चा के

माध्यम से होता है जो युवाओं के लिए राजनीति की पहली पाठशाला है। भाजपा व्यक्ति विशेष संगठन नहीं है। भाजपा में हमेशा देश को प्रथम, दूसरे पर पार्टी और तीसरे नंबर पर व्यक्ति को रखा जाता है।

प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सभी नवनिर्वाचित विधायकों को साफा पहनाकर स्वागत किया और सभी को जीत की बधाई दी और कहा कि संगठन पर्व 2024 बैठक महत्वपूर्ण बैठक है जो दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय बैठक की तर्ज पर आयोजित हो रही है।

सक्रिय सदस्यता अभियान संयोजक ओंकार सिंह लखावत ने संगठन पर्व और संगठनात्मक चुनाव की जानकारी देते हुए कहा कि यह सबसे महत्वपूर्ण पर्व है जो 6 वर्ष बाद आयोजित हो रहा है। इसी चुनाव से आगामी 6 वर्षों के लिए संगठन का

निर्माण होगा।

आप सभी निचले स्तर तक के पदाधिकारियों को संगठन पर्व की जानकारी प्रदान करें जिससे संगठन चुनाव में सभी कार्यकर्ताओं की भूमिका रहे। जिला कार्यालया, मंडल कार्यालया का आयोजन करके सभी सक्रिय सदस्यता अभियान से जोड़े और संगठन संरचना में अपना योगदान दें।

पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने जानकारी देते हुए कहा कि साधारण सदस्यता अभियान का पोर्टल 25 नवंबर को बंद हो जाएगा और सक्रिय सदस्यता अभियान का पोर्टल 30 नवंबर को बंद हो जाएगा। आगामी 5 दिसंबर को संगठन महापर्व का समापन हो जाएगा। सदस्यता तो पूरे वर्ष कभी भी प्रहण की जा सकती है परंतु अभियान निश्चित अवधि के लिए ही चलता है।

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष व चुनाव प्रभारी नारायण पंचारिया, चुनाव सह प्रभारी हरिराम रणवा, सुशील कटारा, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दार्धीच, नाहरसिंह जोधा, सी आर चौधरी, अजयपाल सिंह, ज्योति मिर्धा, प्रदेश महामंत्री श्रवण बगडी, संतोष अहलावत, प्रदेश मंत्री पंकेश पोरवाल, महेंद्र कुमावत, स्टेफी चौधान, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक आदि उपस्थित रहे।

साढ़े तीन महीने बाद वसुंधरा राजे प्रदेश मुख्यालय पहुँचीं

जयपुर, 24 नवम्बर। करीब साढ़े तीन महीने बाद आज वसुंधरा राजे पार्टी के किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रदेश भाजपा मुख्यालय पहुंचीं। सोलाह मिनट रुकने के बाद राजे वहाँ से रवाना हो गईं। बैठक में अपने संबोधन में राजे ने कहा, मुझे मीटिंग के लिए 2 बजे की सूचना थी। मैं

■ भाजपा मुख्यालय में 16 मिनट रुकने के बाद वे फ्लाइट लेने के लिये निकल गईं।

प्रदेशाध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी के आने का इंतजार कर रही थी। मेरी 4:50 बजे की फ्लाइट है। मैं व्यक्तिगत तौर पर नवनिर्वाचित विधायकों को बधाई देना चाहती थी। इसलिए यहाँ आई, अब मुझे निकलना पड़ेगा।

राजे करीब 4:17 पर भाजपा कार्यालय पहुँचीं और 4:33 पर वहाँ से रवाना हो गईं। वसुंधरा राजे इससे पहले 3 अगस्त को प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भाजपा कार्यालय आई थीं। दरअसल, भाजपा ऑफिस में आज संगठन पर्व की बैठक थी।

‘काटे जाने ...’

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से सांभरलेक के उपखंड अधिकारी को प्रार्थना पत्र पेश कर अनुमति मांगी गई। गत 4 जुलाई को ए.डी.एम. ने इन पेड़ों को काटने की सशर्त अनुमति दे दी। इसमें एक शर्त यह भी थी कि कंपनी, काटे गए पेड़ों के बदले दस फीट ऊँचाई के पांच गुणा पेड़ लगाएगी।

याचिका में कहा गया कि पेड़ काटने की अनुमति देने से पहले ऐसा कोई विकल्प नहीं तलाशा गया, जिससे कम से कम पेड़ काटे जा सकते हों। इसके अलावा पेड़ काटने की अनुमति पांच गुणा, यानी की 3085 पेड़ लगाने की शर्त पर दी गई थी। जबकि तहसीलदार ने 7 अगस्त को उच्चधिकारियों को पत्र लिखकर कंपनी की ओर से पाँच सौ पेड़ लगाने की जानकारी दी। याचिका में गुहार की गई कि पेड़ काटने के लिए दी गई एन.ओ.सी. और प्रशासन की ओर से पेड़ काटने के लिए जारी नीलामी आदेश को रद्द किया जाए।

महायुति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेतृत्व इस पर फैसला करेगा। महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की भारी जीत के बाद राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता का पद किसी को नहीं मिल सकेगा, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के बाहर कोई भी दल इसके लिए अनिवार्य, 29 सीट हासिल नहीं कर सका है।

डंडिया की कलम ने सच को सच कहने की हिम्मत दी- कटारिया

पत्रकारिता में 75 वर्ष पूरे होने पर मिलाप चन्द्र डंडिया का अभिनन्दन हुआ

जयपुर, 24 नवम्बर। झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में रविवार को वरिष्ठ पत्रकार मिलापचंद्र डंडिया का अभिनन्दन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल कटारिया थे और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अध्यक्षता की। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी व वरिष्ठ पत्रकार प्रवीणचंद्र छाबड़ा विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम संयोजक, सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा ने बताया कि मंचासीन अतिथियों ने 93 वर्षीय डंडिया के पत्रकारिता जीवन के

■ अभिनन्दन समारोह में बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, पत्रकार व पत्रकारिता के विद्यार्थी शामिल हुए। राज्यपाल कटारिया समारोह के मुख्य अतिथि थे व देवनानी ने अध्यक्षता की। सी.पी.जोशी व प्रवीण चन्द्र छाबड़ा विशिष्ट अतिथि और विधायक गोपाल शर्मा संयोजक थे।



पत्रकारिता में 75 वर्ष पूरे होने पर वरिष्ठ पत्रकार मिलाप चन्द्र डंडिया का पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अभिनन्दन किया।

प्रार्थमिकता देने की नसीहत दी।

अभिनन्दन समारोह में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि मिलापचंद्र डंडिया की पत्रकारिता का मैं प्रत्यक्षदर्शी रहा हूँ। हम चाहे सत्ता में रहे हों या विपक्ष में, डंडिया को सदैव सच्ची लेखनी के लिए याद करते हैं। इन्होंने राजस्थान के पत्रकारों को सच को सच कहने की हिम्मत दी।

राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान के वरिष्ठतम पत्रकार के अभिनन्दन समारोह में उपस्थित होना गौरव का विषय है। यह अभिनन्दन किसी व्यक्ति विशेष का नहीं है, बल्कि यह एक विचार

का अभिनन्दन है। मुझे ऐसे व्यक्ति के अभिनन्दन के लिए समारोह समिति का अध्यक्ष बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने कहा कि डंडिया का पूरा पत्रकारिय जीवन सख्त अनुशासन के साथ सच्चाई के प्रति कटिबद्ध रहते हुए बीता है। इसके हम सभी गवाह हैं।

कार्यक्रम संयोजक सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि मिलापचंद्र डंडिया की पत्रकारिता के 75 वर्षों की यात्रा का उल्लेख किए बिना राजस्थान की खोजपूर्ण पत्रकारिता का इतिहास अधूरा है।

आज से मणिपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यूनियर्सिटी, सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों में क्लासेस फिर से शुरू होंगी।

इधर मणिपुर पुलिस ने 16 नवंबर को सी.एम. बीरेन सिंह सहित 17 विधायकों के घरों पर हमले के मामले में 7 और गिरफ्तारी की। अब तक 41 आरोपियों को अरेस्ट किया जा चुका है।

11 नवंबर को जिरिबाम में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 10 कुकी-जो उग्रवादियों को मार गिराया था। इसके बाद मैतई समुदाय के अगाव किए गए 3 महिला और 3 बच्चों के शव मिले थे। तभी से 7 जिलों में हिंसा जारी है।

संभल में हिंसा से तीन मरे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुरू कर दी गई है। इसके पहले एक अधिकारी ने बताया कि कुछ लोगों ने सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिलों में आग लगाने की भी कोशिश की। अधिकारी ने बताया कि हिंसा के आरोपियों पर कठोर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि सर्वे की योजना सुबह के समय बनाई गई थी ताकि मस्जिद में होने वाली नमाज में व्यवधान न हो, जो आमतौर पर दोपहर में होती है।

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के संभल जिले में एक मस्जिद के सर्वेक्षण को लेकर हुई कथित हिंसा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार और प्रशासन द्वारा राज्य के उपचुनाव में अनियमितताओं पर से ध्यान हटाने के लिए ‘रची गयी’।

स्थानीय प्रशासन के अनुसार, विवादित स्थल पर अदालत के आदेश के तहत ‘एडवोकेट कमिश्नर’ ने

दूसरी बार सर्वेक्षण कार्य सुबह सात बजे के आसपास शुरू किया और इस दौरान मौके पर भीड़ जमा होने लगी। मुरादाबाद के मंडल आयुक्त ने कहा, ‘सर्वेक्षण शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा था, तभी मस्जिद के पास लोगों का एक समूह इकट्ठा हो गया और नारेबाजी करने लगा। जब पुलिस ने इलाके को खाली करने का प्रयास किया, तो भीड़ में शामिल उपद्रवियों के एक समूह ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया।’

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के संभल में हुई घटना को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की साजिश का नतीजा बताया और कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन में कोई ‘सेफ’

नहीं है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने रविवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि संभल की घटना से साफ हो गया है कि ‘बंटेंगे तो कटेंगे’ का निर्दयी नारा देने वाले योगी आदित्यनाथ के राज में कोई नागरिक ‘सेफ’ नहीं है। संभल में जिस तरह से प्रदर्शनकारियों पर सीधे फायरिंग के वीडियो सामने आये हैं वे सब मुख्यमंत्री और भाजपा-आरएसएस की सोची समझी साजिश का दुष्परिणाम है। जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश सद्भाव और सौहार्द का प्रतीक रहा है वहाँ षडयंत्र के तहत तीन लोगों की जान ली गई और कई लोग घायल हुए हैं।

हिमपात व वर्षा से कश्मीर की कई सड़कें बंद

श्रीनगर, 24 नवंबर। कश्मीर घाटी के ऊंचे इलाकों में ताजा हिमपात और कुछ मैदानी इलाकों में बारिश के कारण रविवार को कई सड़कें बंद हो गईं। यातायात पुलिस अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के शोपियाँ जिले को जम्मू संभाग के पुंछ और राजौरी जिलों से जोड़ने वाली ऐतिहासिक मुगल रोड को रविवार को पीर की गली में हिमपात के बाद पृथितयात के तौर पर वाहन यातायात के लिए बंद कर दिया गया। राजदान टॉप और उत्तरी कश्मीर जिले की अन्य जुड़ी सड़कों पर हिमपात के कारण पुंज-बांदीपोरा सड़क भी वाहन यातायात के लिए बंद कर दी गई है।

‘कुछ समूह सोशल मीडिया से अदालत को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं’

पूर्व सी.जे.आई. चन्द्रचूड़ ने जजों को इनसे सावधान रहने की सलाह दी

28 नवम्बर को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिला आयुक्त ने एक आदेश जारी कर जिले के सभी संपत्ति मालिकों के लिए किरायेदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने कहा, यह निर्देश असामाजिक तत्वों और अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा संपादित खतरे के बारे में बड़ तीव्रताओं के मद्देनजर आया है, जो किराए की संपत्तियों का अवैध गतिविधियों के लिए उपयोग कर सकते हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू पुलिस ने एक व्यापक जांच शुरू की है और भवानी नगर, तालाब तिल्लो जम्मू के फरमान अली और आशि मोहल्ला, बटमालो, श्रीनगर के आधुनिक मलिक के खिलाफ पुलिस स्टेशन नोवावाद में संबंधित धाराओं के तहत क्रमशः मामले दर्ज किए हैं।

नई दिल्ली, 24 नवंबर। भारत के पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने सोशल मीडिया को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि कुछ समूह सोशल मीडिया के जरिए नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। जजों को इनसे सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आजकल लोग यूट्यूब या किसी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देखे गए 20 सेकंड के वीडियो पर पथराव पर राय बना लेते हैं, यह बहुत बड़ा खतरा है।

उन्होंने एनटीटीवी इंडिया के एक कार्यक्रम में कहा, ‘आज कुछ विशेष हित समूह, दबाव समूह हैं जो अदालतों की राय और मामलों के नतीजों को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे

हैं। हर एक नागरिक को यह समझने का अधिकार है कि किसी फैसले का आधार क्या है और अदालत के फैसलों पर अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है। हालांकि जब यह अदालत के फैसलों से परे चला जाता है और किसी जज को निशाना बनाता है, तो यह मौलिक सवाल उठता है— क्या यह वास्तव में अभिव्यक्ति की अजादी है?’

उन्होंने कहा, ‘इसलिए, हर कोई 20 सेकंड में यूट्यूब या किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो कुछ भी देखता है, उस पर अपनी एक राय बनाना चाहता है। यह एक गंभीर खतरा पैदा करता है, क्योंकि अदालतों में फैसला लेने की प्रक्रिया कहीं अधिक गंभीर है। यह वास्तव में अत्यंत जटिल होता है, जिसे आज सोशल मीडिया पर

■ उन्होंने कहा, बीस सेकंड के यूट्यूब वीडियो पर राय बनाना गंभीर खतरा पैदा करता है। अदालत के फैसले की जटिल प्रक्रिया को समझने का धैर्य सोशल मीडिया पर किसी के पास नहीं है।

किसी के पास इसे समझने के लिए धैर्य या सहनशीलता नहीं है और यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है, जिसका सामना भारतीय न्यायपालिका कर रही है।’

उन्होंने कहा कि क्या सोशल मीडिया पर ‘ट्रोलिंग’ से जजों पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा, ‘जजों को इस तथ्य के बारे में बहुत सावधान रहना होगा कि वे लगातार विशेष हित समूहों के हमले के अधीन हैं, जो अदालतों में होने वाले फैसलों को बदलने की कोशिश कर रहे हैं।’

जस्टिस चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि लोकतंत्र में कानूनों की वैधता तय करने की शक्ति संवैधानिक अदालतों को सौंपी गई है। उन्होंने कहा, ‘यह नियम है कि कानून बनाने का काम विधायिका द्वारा किया जाएगा, कानून का क्रियान्वयन कार्यपालिका द्वारा किया जाएगा और न्यायपालिका कानून की व्याख्या करेगी और विवादों का निपटारा करेगी।’ कई बार ऐसा होता है कि

अधिकार क्षेत्र को लेकर घालमेल हो जाता है। लोकतंत्र में नीति निर्माण का काम सरकार को सौंपा जाता है। कॉलेजियम सिस्टम का बचाव करते हुए पूर्व सीजेआई ने कहा कि इस प्रक्रिया के बारे में बहुत गलतफहमी है और यह बहुत ही सूक्ष्म विश्लेषण वाला और बहुस्तरीय है। उन्होंने कहा, ‘ऐसा नहीं है कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की एकमात्र भूमिका है।’ उन्होंने कहा कि जजों की वरिष्ठता को सबसे पहले विचार किया जाना चाहिए। जजों को राजनीति में जाना चाहिए? यह पूछे जाने पर पूर्व सीजेआई ने कहा कि संविधान या कानून में ऐसा करने पर कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा, ‘समाज आपस को रिटायरमेंट के बाद भी जज के रूप में देखता है।’